

सामाजिकसंरचना (Social Structure): पारभाषाआ

1. प्रस्तावः :

"सामाजिकसंरचना" समाजशास्त्र मूलअवधारणाहै, जिसकेमाध्यमसमस्त समाज, संस्थाआ, भूमिकाआआरसंबंधाकासमग्र अध्ययनकरा जाताहै। यहवहअदृश्यरूपरखाहजायहानधारतकरा जाताहै, जोसमाजकेव्यक्तिव्यक्तियोंकेद्वारासंरचितहै।

2. सामाजिकसंरचनाकीप्राथमिकताः :

(क) राडक्लिफ-ब्राउन (Radcliffe-Brown):

"सामाजिकसंरचनाउनसंबंधाकारण है, जोसमाजमें दोसंरकेसाथानभातहै।"

(ख) टाल्काटपासन् (Talcott Parsons):

"सामाजिकसंरचनाउनसंस्थागतढाचाकेद्वारासंरचितहै, जोसामाजिकक्रियाकादशाआरस्थितिहै।"

(ग) गिन्सबर्ग (Ginsberg):

"समाजकाढाचाउसकासंरचना, संगठनाआरभूमिकाआकसरण है।"

इनपारभाषाआसस्पष्टहोताहोकरसामाजिकसंरचना, समूह, संस्थाआरउनकेबाचकर एकसुसंगठित व्यवस्थाहै।

3. सामाजिकसंरचनाकेअवयव (Components of Social Structure):

1. सामाजिकसंस्थाए (Social Institutions):

जैसे – पारिवारिक, धार्मिक, शैक्षणिक, अर्थव्यवस्था, राजनीति

2. सामाजिकभूमिकाए (Social Roles):

हरव्यक्तिसमाजमेंएकयाएकभूमिकाहोतीहै – जैसे – छात्र, माता, पिताआदि

3. **सामाजिक स्थिति (Social Status):**

व्यक्तिगत समाज – जसजात, वंश, पेशा आदिक

4. **नियमः (Norms and Values):**

यसामाजिक व्यवहारकानियम

5. **समूह (Groups):**

समाजमप्राथमिक और द्वितीय

4. **सामाजिक संरचनाके लक्षण (Features):**

1. **संगठित आरस्थिति** – यह समाजका स्थिरता आरानर

2. **कार्यात्मक** – प्रत्येक भूमिका आरसंस्थाका एक वांछित

3. **संबंधाका प्रणाली** – यह केवल व्यक्ति, बल्कि संबंधाका एक सुनियमित

4. **सांस्कृतिक** – यह समाजक, मूल्य आरसांस्कृतिक सामान्य

5. **गतशील (Dynamic Nature)** – यह समय,

परिस्थिति आरसामाजिक परिवर्तन

5. **सामाजिक संरचनाके प्रकार (Types of Social Structure):**

1. **परंपरागत सामाजिक संरचना (Traditional Structure):**

○ जाति, संयुक्त परिवार, ग्रामाण

○ आधिकारिक स्थिति

2. **आधुनिक समाज (Modern Structure):**

○ वंश, नगर, आधुनिक

○ गतिशील

6. **सामाजिक संरचना आर (Social Change):**

- सामाजिक संरचना स्थायी प्रतापिताहलाव
- शिष्ट, आदर, शक्ति, वंशवाक्य आदक प्रभावसयह संरचना

उदाहरण:

पारिवारिक (संयुक्त) अकेल पारिवारिक

7. सामाजिक संरचना का विश्लेषण (Theoretical Perspectives):

दृष्टिकोण	व्याख्या
संरचनात्मक कार्यात्मक (Structural Functionalism – Durkheim, Parsons)	सामाजिक संरचना समाज की स्थिरता और
संघर्ष सिद्धांत (Conflict Theory – Marx)	सामाजिक संरचना - संघर्ष का परिणाम है ; यह शोषण और असमानता को बनाए रखती है।
प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया (Symbolic Interactionism – Mead)	सामाजिक संरचना - व्याक्तिक अर्थ और संवाद से बनती है।

8. निष्कर्ष :

सामाजिक संरचना समाज का वह ढांचा है जो व्याक्तिक अर्थ, भूमिकाओं और स्थानों को निर्धारित करता है, जो समाज के अस्तित्व, विकास और परिवर्तन के लिए आवश्यक है।

समाजशास्त्र में सामाजिक संरचना का अध्ययन, संरचनात्मक कार्यात्मक, संघर्ष सिद्धांत, प्रतीकात्मक अन्तःक्रिया, और समाज के परिवर्तन के

व्यवस्था के संकाय